हिंदी के आंचलिक उपन्यासों में आदिम जनजीवन का चित्रण

(जंगल के फूल, जाने कितनी आँखें, वनवासी, शैलूष के संदर्भ में)

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर, महाराष्ट्र की
एम्. फिल्. (हिंदी) उपाधि के लिए
प्रस्तुत लघु- शोध-प्रबंध

शोध-छात्र
श्री विवेक बाबुराव साळुंखे
एम्.ए.,बी. एड.

शोध-निर्देशक
डॉ. भरत धोंडीराम सगरे
एम्.ए., एम्.फिल.,पीएच्.डी.(हिंदी)
अधिव्याख्याता, हिंदी विभाग,
लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय,
सातारा (महाराष्ट्र)

जून, 2006

800-5491-T014856